भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2401

जिसका उत्तर दिनांक 10.08.2023 को दिया जाना है

हरियाणा में वैश्विक नाभिकीय ऊर्जा साझेदारी केंद्र (जीसीएनईपी)

2401 श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में जसौर खेड़ी गांव में वैश्विक नाभिकीय ऊर्जा साझेदारी केंद्र (जीसीएनईपी) की स्थापना का दृष्टिकोण और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) जीसीएनईपी कब तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा और क्या जीसीएनईपी पर काम पूरा होने में कोई विलंब है;

(ग) क्या यह सच है कि जीसीएनईपी को एक बहुराष्ट्रीय अनुसंधान सुविधा के रूप में स्थापित किया जा रहा है, यदि हां, तो कौन से अन्य देश इस परियोजना का हिस्सा हैं; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) वैश्विक नाभिकीय ऊर्जा साझेदारी केंद्र (जीसीएनईपी), परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन छठी अनुसंधान एवं विकास इकाई के रूप में खेड़ी-जसौर, बहादुरगढ़, हरियाणा में स्थापित किया गया है।

जीसीएनईपी का उद्देश्य वैश्विक साझेदारी के माध्यम से मानव जाति की सेवा के लिए सुरक्षित, संरक्षित और सतत नाभिकीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

जीसीएनईपी का लक्ष्य अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए पांच विद्यालय अर्थात् (1) प्रगत नाभिकीय ऊर्जा प्रणाली अध्ययन विद्यालय (एसएएनईएसएस), (2) नाभिकीय संरक्षा अध्ययन विद्यालय (एसएनएसएस), (3) विकिरण संरक्षा अध्ययन विद्यालय (एसआरएसएस), (4) नाभिकीय पदार्थ अभिलक्षणन अध्ययन विद्यालय (एसएनएमसीएस), (5) रेडियोआइसोटोप और विकिरण प्रौद्यौगिकियों के अनुप्रयोग अध्ययन विद्यालय (एसएआरआरटी) स्थापित करना है।

(ख) जीसीएनईपी की स्थापना चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। परियोजना का चरण-I पूरा हो चुका है और अप्रैल 2017 से चालू है। चरण-II के पूरा होने की निर्धारित तिथि 30.09.2025 है।

(ग) तथा (घ) जी, नहीं। जीसीएनईपी को परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार द्वारा नाभिकीय प्रौद्योगिकी में साझेदारी के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है।

* * * * *